हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 282 देहरादून, बुधवार, 03 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

ये हैं उत्तराखंड के Good Samaritans
उत्तराखंड पुलिस ने किया सम्मानित

3

दिल्ली के दुलारे बने देवभूमि के धामी
पीएम मोदी के बने भरोसेमंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले दो माह के भीतर उत्तराखंड के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो बार दिल्ली आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। अति व्यस्त रहने वाले प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखण्ड को अपनी आध्यात्मिक भूमि तो मानते ही हैं उनका देवभूमि उत्तराखंड से बेहद लगाव रहा है । सन्यास के अपने प्रारंभ के दिनों में उन्होंने केदारघाटी में कठिन तपस्या की जिसके फलस्वरूप ऐसा माना जाता है की उनके जीवन में इसका विशेष प्रभाव आया और उनके व्यक्तित्व में उत्तरोत्तर प्रगति हुई । दोनों ही मुलाक़ातों में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री धामी को काफ़ी समय दिया। सामान नागरिक संहिता , अवैध मज़ारों के ध्वस्तीकरण , धर्मांतरण क़ानून एवं सख़्त नक़ल क़ानून लाने के बाद प्रधानमंत्री ने धामी की पीठ थपथपायी है। चुनाव हारने के बावजूद जिस तरह मोदी ने पुनः धामी को इस छोटे पहाड़ी राज्य की कमान सौंपी अपने दूसरे मुख्यमंत्री काल के एक साल बाद धामी मोदी के विश्वास पर जहां खरे उतरे हैं वहीं संयमित और फूंक फूंक के कदम रखने के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री का दिल भी जीता है।

चाहे सुबह की सैर में किसी भी गाँव के ग्रामीणों से सीधा संवाद करना हो या फिर विज़न के साथ योजनाओं को धरातल पर लागू करना हो धामी सरकार के अंदर

ध्रुव रौतेला की कलम से

अलग परिपाटी लेकर आये हैं। सूत्रों के अनुसार दिल्ली में प्रधानमंत्री से हुई मुलाक़ात में उन्होंने चार धामी यात्रा की रिपोर्ट पीएम को सौंपी एवं जोशीमठ भूँ धसाँव पर सरकार के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी दी इसके साथ ही कुमाऊँ मण्डल में मानसखंड कॉरिडोर पर भी विस्तार से चर्चा की और प्रधानमंत्री को आदि कैलाश ओम पर्वत नारायण आश्रम आदि स्थानों में आने का निमंत्रण भी दिया। दो माह के भीतर छोटे राज्य के मुख्यमंत्री को दोनों मुलाक़ातों में इतना लंबा समय देना स्पष्ट करता है कि धामी ने मोदी की गुड बुक में जगह तो बनाई ही है साथ ही उनके मार्गदर्शन में राज्य को आगे ले जाना चाहते हैं । २०२२ में मोदी ने केदारनाथ से घोषणा की थी की अगला दशक उत्तराखण्ड का होगा इधर मुख्यमंत्री धामी २०२५ का लक्ष्य लेकर उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

लगातार हुई इन मुलाक़ातों में राज्य में धामी के विरोधियों के हौंसले जहां पस्त हैं वहीं उनसे बड़ी संख्या में जुड़े युवा सपोर्टर इन मुलाक़ातों के फ़ोटो एवं धामी की तारीफ़ों को लेकर सोशल मीडिया पर ख़ासे सक्रिय हैं।

विशेष आभार : ध्रुव रौतेला उत्तराखण्ड के वरिष्ठ पत्रकार हैं और पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के ओएसडी रह चुके हैं।

आयुक्त सुशील कुमार के सख्त निर्देश भूमि फ्रॉड पर सख्त हो कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 मई ,आयुक्त गढ़वाल मंडल सुशील कुमार की अध्यक्षता में लैंडफ्राड समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त गढ़वाल मंडल ने निर्देश दिए कि भूमि फ्रॉड के प्रकरणों पर प्रभावी कार्यवाही करें साथ ही जिन सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है, उनको अतिक्रमण मुक्त किया जाए। उन्होंने नगर निगम एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भूमि अतिक्रमण मुक्त की गई हैं, उनपर चहारदीवारी अथवा तारबाड़ लगाकर सरकारी कब्जा लें। साथ ही निर्देशित किया कि जो प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है उनकी प्रभावी पैरवी की जाए।

आयुक्त गढ़वाल ने ग्राम डंडा लखोंड में भूमि पर अवैध अतिक्रमण के सम्बन्ध में पीपी एक्ट के अन्तर्गत वादों को सुनते हुए निस्तारित करने के निर्देश दूरभाष पर नगर मैजिस्ट्रेट को दिए तथा डांडा लखौंड में अतिक्रमण मुक्त की गई भूमि पर चाहर दीवारी/तारबाड़ करने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए इसके लिए उन्होंने नगर मजिस्टेªट देहरादून तथा मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून को दूरभाष पर वार्ता कर कार्यवाही करने को कहा। फर्जी अभिलेख के आधार पर मृतक व्यक्ति को जीवित दिखाकर भूमि विक्रय करने के प्रकरण पर संबंधितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त गढवाल मण्डल ने उप जिलाधिकारियों को खतौनी अद्यतन करने के निर्देश दिए।

बैठक में आईजी गढवाल के.एस नगियाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन देहरादून डॉ एस के बरनवाल,संयुक्त सचिव एमडीडीए रजा अब्बास, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी कोटद्वार प्रमोद कुमार,उप जिलाधिकारी डोईवाला शैलेन्द्र नेगी, एसएनए नगर निगम ऋषिकेश रमेश सिंह रावत,डीयूएसपी रमा देवी, टैक्स रिव्यू अधिकारी नगर निगम देहरादून राहुल कैन्तुरा आदि उपस्थित थे।

फायर अलर्ट पर तुरंत रिस्पांस दिया जाए : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 मई,मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय वनाग्नि संकट प्रबंधन सेल की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने वन विभाग को निर्देश दिए कि फायर अलर्ट पर तुरंत रिस्पांस दिया जाए उन्होंने कहा कि वनाग्नि को रोकने के लिए राज्य स्तरीय वनाग्नि संकट प्रबंधन सेल की बैठक हर वर्ष फरवरी माह में आयोजित कर ली जाए।मुख्य सचिव ने कहा कि जंगलों में लगने वाली आग एक बहुत बड़ा मुद्दा है जिसे बहुत ही गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जंगलों में लगी आग को रोकने के लिए स्थानीय लोगों का अधिक से अधिक सहयोग लिया जाए, इसके लिए उन्हें किसी प्रकार का प्रोत्साहन भी दिया जा सकता है। उन्होंने इसमें गैर सरकारी सामाजिक संस्थानों को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आग बुझाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वनों में आग लगने के कारणों में पिरुल महत्वपूर्ण है इसके लिए जंगलों से पिरूल के निस्तारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने पिरुल से पैलेट्स तैयार कर खाना बनाने के ईंधन के रूप में प्रयोग करने को बढ़ावा दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आमजन इसका प्रयोग कर सकें इसके लिए अधिक से अधिक उद्यमियों को इसके पैलेट्स तैयार किए जाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, ताकि पिरुल के पैलेट्स की उपलब्धता सालभर रहे। साथ ही मिड डे मील में बनने वाले भोजन के लिए इसे चूल्हे के ईंधन के तौर पर इसके उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, वन विभाग प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक एवं सचिव विजय कुमार यादव सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

ज्ञान वायरस : Cheque पर रकम के बाद क्यों लिखा जाता है 'Only'?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , आजकल हम सभी लेन-देन के लिए चेक का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन इसमें इस्तेमाल होने होने वाले ज्यादातर जानकारियों के बारे में हमे पता नहीं होता है. अब खुद ही देख लीजिए...क्या आपको पता है चेक के आगे 2 लाइनें क्यों खींची जाती हैं या इसमें रकम के आगे 'Only' क्यों लिखा जाता है? नहीं न... तो अगर आप भी चेक का इस्तेमाल किसी भी तरह की ट्रांजेक्शन करने के लिए करते हैं तो ये खबर आपके काम की है.आज हम आपको बताएंगे कि आप चेक के आगे 'Only' क्यों लिखते हैं? और अगर आप चेक में रकम के आगे only नहीं लिखेंगे तो क्या चेक बाउंस हो जाएगा. ऐसे सभी सवालों का जवाब आज हम आपको इस खबर में देंगे.

क्यों लिखते हैं 'Only'?

दरअसल चेक पर पैसे के आगे Only लिखने का मतलब आपकी सिक्योरिटी से है. इससे अकाउंट के जरिये होने वाली धोखाधड़ी को कुछ हद तक रोका जा सकता है. इसलिए वर्ड में अमाउंट लिखने के बाद Only लिखना जरूरी होता है. अगर आप नहीं लिखेंगे तो कोई भी आपके अकाउंट से अपनी मनमानी रकम निकाल लेगा.

इसको आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि मान लीजिये आप किसी XYZ व्यक्ति को 20,000 रुपये चेक के जरिये दे रहे हैं और वर्ड्स में लिखते समय आपने only नहीं लिखा तो XYZ आगे अपनी रकम के आगे लिखकर पैसे बढ़ा सकता है. ऐसे में आप धोखाधड़ी का शिकार हो जाएंगे. वहीं, नंबर्स में भी अमाउंट भरते वक्त आपको /- ये लगाना जरुरी होता है. जिससे उसके आगे कोई जगह न बचे और कोई उसमे अमाउंट न एड कर पाए.

क्या नहीं लिखने पर बाउंस हो जायेगा आपका चेक?

लोगों के मन अक्सर सवाल घर लेते हैं कि अगर कोई चेक पर 'Only' लिखना भूल जाते हैं तो क्या होता है? क्या चेक बाउंस हो जाता है? तो अगर आप Only नहीं लिखते हैं तो इसका कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा. इसका सीधा असर आपकी सिक्योरिटी से होता है. यानि आप अगर Only नहीं लिखेंगे तो कोई भी उस अमाउंट के आगे कुछ लिख कर एक्स्ट्रा पैसे की निकासी कर सकता है.

क्या होते हैं Liquid Funds जो मात्र 3 महीने में ही आपको देते हैं अच्छा रिटर्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , लिक्विडिटी का मतलब होता है कोई फंड करेंसी या मैटेरियल कितनी जल्दी एक्सचेंज किया जा सकता है। यानि कि आप उससे कितनी जल्दी कुछ दूसरी चीज खरीद सकते हैं। इसी आधार पर पैसों को सबसे ज्यादा लिक्विड माना जाता है।म्यूचुअल फंड में निवेश तो हम सभी कर रहे हैं, लेकिन यह एक लॉन्ग टर्म का निवेश होता है। अगर आप कम समय में म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं और अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं तो आपके लिए एक शानदार फंड है लिक्विड फंड, जिसमें निवेश काफी कम समय के लिए होता है और रिटर्न मिलने की संभावना काफी ज्यादा होती है।लि-क्विडिटी का मतलब होता है कोई फंड, करेंसी या मैटेरियल कितनी जल्दी एक्सचेंज किया जा सकता है। यानि कि आप उससे कितनी जल्दी कुछ दूसरी चीज खरीद सकते हैं। इसी आधार पर पैसों को सबसे ज्यादा लिक्विड माना जाता है। लिक्विड फंड भी ऐसे ही म्यूचुअल फंड होते हैं जिनकी मेच्योरिटी मात्र 91 दिनों की होती है।

लिक्विड फंड एक तरीके के डेट फंड होते हैं जिनमें 3 महीने की मेच्योरिटी होती है। इसके द्वारा डेट और मनी मार्केट के ऑप्शन में निवेश किया जाता है। इनकी लिक्विडिटी काफी ज्यादा होती है। इनके द्वारा अधिकतर निवेश डेट में किया जाता है, इसलिए इनके द्वारा मिलने वाला रिटर्न भी काफी हद तक फिक्स ही होता है। आपकी सिक्योरिटी मेच्योर होने के बाद आपको निश्चित ब्याज दर के साथ रिटर्न मिलता है।

इसमे निवेश करने के कई फायदे हैं। सबसे पहला फायदा तो ये है कि यह एक शॉर्ट टर्म निवेश है जिसमें आपको अधिक समय नहीं देना होता। मात्र 3 महीने में ही आपका निवेश मेच्योर हो जाता है। इनकी लिक्विडिटी काफी ज्यादा होती है। इसलिए आपको सिक्योरिटीज बेचने या खरीदने के लिए अधिक मेहनत नहीं करनी होती। साथ ही ये डेट और मनी मार्केट सिक्योरिटीज होती हैं इसलिए इनमें निवेश

कम जोखिम भरा होता है।अगर आप मेच्योरिटी से पहले भी इन्हें बेचते हैं तो आपको कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता है। 7 दिनों के बाद ही निवेश की गयी पूंजी को वापस लेने पर भी आपको कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता।

किन वजहों से होता है अस्थमा, क्या हैं लक्षण और इलाज, जानिए ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 3 मई : अस्थमा एक ऐसी मेडिकल कंडीशन है, जिसमें मरीज की सांस की नली में सूजन आ जाती है और सांस की नली धीरे-धीरे सिकुड़ने लगती है. ऐसे में मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है. बढ़ते प्रदूषण, सिगरेट आदि मादक पदार्थों की लत के कारण अस्थमा के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं. डब्ल्यूएचओ की मानें तो साल 2019 में अस्थमा से करीब 262 मिलियन लोग प्रभावित थे और 455 000 लोगों की इसके कारण मृत्यु हुई. इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 2 मई को विश्व अस्थमा दिवस (World Asthma Day) मनाया जाता है.

अस्थमा की बीमारी की तमाम वजह हो सकती हैं. खास कारण आउटडोर और इनडोर प्रदूषण, पुरानी डस्ट, परफ्यूम, छौंक का धुआं, जानवरों के फर, धूम्रपान, तंबाकू का अधिक सेवन, दिवाली के पटाखों का धुआं, तेज हवा, अचानक मौसम में बदलाव व आनुवंशिकता आदि को माना जाता है. अस्थमा की बीमारी में सांस नलियां सिकुड़ जाती हैं. ऐसे में व्यक्ति को सांस लेने में समस्या होती है और घुटने की स्थिति पैदा होने लगती है. इन हालातों में सांस फूलना,

घरघराहट या सीटी की आवाज आना, सीने में जकड़न महसूस होना, बेचैनी महसूस करना, खांसी, सिर में भारीपन, थकावट महसूस करना आदि लक्षण सामने आते हैं. कई बार परेशानी इतनी बढ़ जाती है कि स्थिति को सामान्य बनाने के लिए मरीज को फौरन इनहेलर का सहारा लेना पड़ता है. यदि समय रहते इनहेलर न मिले तो समस्या गंभीर भी हो सकती है.

किसी भी उम्र में हो सकती है परेशानीडॉ. बताती हैं कि अस्थमा की परेशानी किसी भी उम्र में हो सकती है. इसलिए इस तरह के किसी भी लक्षण के दिखने पर विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए, ताकि बीमारी की समय रहते पहचान की जा सके और सही इलाज किया जा सके. आमतौर पर अस्थमा की पहचान के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, स्किन प्रिक टेस्ट, स्पायरोमेट्री, ब्लड टेस्ट आदि कराए जाते हैं.इनहेलर है सच्चा दोस्तडॉ. कहना है कि अस्थमा की बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती, लेकिन यदि सावधानी बरतकर मरीज इसके कारणों से बचाव करे तो काफी फायदा हो सकता है. इलाज के तौर पर इसमें इनहेलर दिया जाता है जिसमें दवाई डालकर मरीज को लेनी होती है. इसलिए इनहेलर को अस्थमा मरीजों को सच्चा दोस्त कहा जाता है. विशेषज्ञ मरीज की स्थिति के हिसाब से उसे इनहेलर का सुझाव देते हैं. कुछ मरीजों को अस्थमा अटैक पड़ने पर ही इनहेलर लेना पड़ता है. वहीं समस्या गंभीर होने पर मेंटेनेंस इनहेलर दिए जाते हैं जिन्हें रोज निश्चित समय पर लेना पड़ता है.इन बातों का ध्यान रखना जरूरीअस्थमा के मरीजों को परफ्यूम, प्रदूषण, पालतू जानवर, तंबाकू, सिगरेट आदि से परहेज करना चाहिए. छौंक के धुएं आदि से बचने के लिए किचन में एग्जॉस्ट जरूर लगवाएं. एग्जॉस्ट चलाने के बाद काम की शुरुआत करें.घर से बाहर जाते समय इन्हेलर जरूर साथ रखें. सर्दी के मौसम या अचानक मौसम में परिवर्तन होने पर विशेष ख्याल रखें.धुएं से पूरी तरह बचाव करें.

ये हैं उत्तराखंड के Good Samaritans उत्तराखंड पुलिस ने किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , पुलिस मुख्यायल में डॉ0 वी0 मुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में पुलिस का सहयोग एवं घायलों की सहायता करने वाले 06 स्थानीय व्यक्तियों को Good Samaritans Scheme के तहत 15-15 हजार रूपए नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

1. कौलागढ़, देहरादून निवासी रोहित ममगई ने बड़ोवाला में ट्रक (टैंकर) के सड़क में पलट कर गिर जाने से ट्रक के अन्दर फसे वाहन चालक को सकुशल बाहर निकालकर एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया तथा पुलिस को उक्त घटना की सूचना दी गयी। रोहित ममगई द्वारा दुर्घटना में घायल वाहन चालक को समय से अस्पताल भिजवाकर घायल वाहन चालक की जान बचाने मे मदद कर नेक कार्य किया गया।

2. तपोवन, टिहरी गढ़वाल निवासी मोहन नेगी एवं नवीन भंडारी द्वारा समय करीब 23.30 बजे वाहन संख्या UK06AZ1609 (कार) जो कि तपोवन तिराहा से कैलाश गेट की ओर जा रहा था, होटल लेमन ट्री, तपोवन, मुनी की रेती के पास अचानक अनियन्त्रित होकर सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गयी तथा वाहन में सवार तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये थे। मौके पर मोहन नेगी तथा नवीन भंडारी द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ वाहन सवार तीनों घायलों को खाई से निकालकर रेस्क्यू कर सड़क पर लाया गया तथा 108 के माध्यम सेएस0पी0एस0 अस्पताल ऋषिकेष भेजा गया।

3. दन्या, अल्मोड़ा निवासी सुरेश जोशी, बसन्त बल्लभ जोशी एवं किशन सिंह द्वारा ग्राम दन्या से करीब 500 मीटर नीचे आगे पनार की ओर वाहन संख्या UK05CA1217 कैण्टर के गहरी खाई में गिर जाने के कारण घायल वाहन चालक लाल नाथ निवासी रीठा साहिब जनपद चम्पावत को अत्यन्त मेहनत व बहादुरी के साथ गहरी खाई से निकालकर थाने के डायल 112 की मदद से सड़क में लाया गया जिससे घायल वाहन चालक को समय से अस्पताल पहुँचाया जा सका जिस कारण चालक की जान बच सकी।

इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक यातायात- मुख्तार मोहसिन, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- पी0 रेणुका देवी, पुलिस अधीक्षक, यातायात- अक्षय कोंडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यात्रीगण सावधान ! चार धाम में मौसम की आफत से बचना ज़रूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बारिश एवं हिमपात के मद्देनजर प्रशासन ने चारधाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से पर्याप्त एहतियात बरतने तथा राज्य सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने केदारनाथ के दर्शन के लिए आ रहे तीर्थयात्रियों से अपील की कि वे सुरक्षा की दृष्टि से जहां हैं, वहीं रुके रहें। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों के लिए अलर्ट जारी करते हुए उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बारिश एवं हिमपात का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। उन्होंने केदारनाथ धाम में दर्शन के लिए आ रहे तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे मौसम ठीक होने तक जिस स्थान पर हैं, उसी स्थान पर रहें तथा रुक-रुक कर आगे की यात्रा करें। उन्होंने सभी यात्रियों से अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने तथा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करने की अपेक्षा की। दीक्षित ने कहा कि वर्तमान में केदारनाथ धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है तथा यात्रा को नियंत्रित किया जा रहा है। सोनप्रयाग से सुबह साढ़े दस बजे के बाद यात्रियों को केदारनाथ जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने यात्रियों से अपेक्षा की है कि मौसम ठीक होने पर ही केदारनाथ की यात्रा शुरू करें।इस बीच, सचिव, ग्राम्य विकास, सहकारिता, पशुपालन/नोडल अधिकारी केदारनाथ यात्रा व्यवस्था डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने आज गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल चलकर यात्रा मार्ग में विभिन्न विभागों द्वारा केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सोनप्रयाग में यात्रियों के किए जा रहे पंजीकरण का भी जायजा लिया। इसके बाद गौरीकुंड में यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े-खच्चरों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग में किसी भी तरह से पशुओं के साथ कोई क्रूरता न हो इसके लिए जो टास्क फोर्स तैनात की गई है वह अपने दायित्वों का निर्वहन बड़ी कुशलता के साथ करें।

उन्होंने यात्रा मार्ग में पेयजल व्यवस्था, विद्युत व स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने जल संस्थान को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग में घोड़े खच्चरों के लिए बनाए गए गर्म पानी की चरियो की निरंतर निगरानी करते हुए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान उन्होंने यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे मेडिकल केन्द्रों में चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया तथा सभी आवश्यक दवाईयां प्रयाप्त में रखने के निर्देश दिए। सचिव डॉ पुरुषोत्तम ने यात्रा मार्गों में तैनात किए गए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ व वाईएमएफ के जवानों से वार्ता कर यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

हेल्थ अलर्ट : मौसम की आंखमिचौली से क्या आप हैं सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 मई , पहाड़ हों या मैदान , दिल्ली हो या देहरादून , आजकल मौसम की आंखमिचौली हैरान करने वाली है। कभी तेज धूप, कभी बारिश। मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जिस कारण स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं। ऐसे में आपको बेहद सावधान रहने की ज़रूरत है।

स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाये रखने के लिए ज़रूरी है कि आप सावधानी बरतें। विशेषज्ञों का कहना है तापमान में बदलाव वायरस के विभिन्न समूहों को पनपने के लिए उपयुक्त स्थिति प्रदान करता है जो संक्रामक रोग फैलाते हैं। इससे कुछ निश्चित समय के लिए एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्व भी पैदा होते हैं। चिकित्स्क का कहना है कि मौसम में बदलाव के कारण वायरल, श्वसन संबंधी बीमारियों के मरीज अधिक देखने को मिल रही है। इसके अलावा जलजनित रोग से पीड़ित कई मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों की सलाह है कि सही खान-पान, साफ-सफाई और पहनावे का ध्यान रखकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

मौसम के अनुकूल रखें पहनावा, खानपान

दून मेडिकल कालेजके सीनियर डॉक्टर्स के अनुसार मौसम में बार-बार परिवर्तन होने से तापमान कम-ज्यादा हो रहा है। वहीं, लोग खान-पान व पहनावे को लेकर लापरवाही कर रहे हैं। जिस कारण जुकाम, खांसी, वायरल, गले में दर्द आदि की शिकायत लेकर आ रहे हैं। उनका कहना है कि इस समय लोग को मौसम में हो रहे बदलाव के अनुसार ही अपने खान-पान एवं पहनावे का ध्यान रखना चाहिए।

इस मौसम में ठंडी चीजों के सेवन से बचें।

घर का ताजा खाना खाएं।साथ ही बदलते मौसम के अनुसार ही पहनावे का ख्याल रखें।बच्चों और बुजुर्गों का रखें खास ख्यालवरिष्ठ फिजीशियन मानते हैं कि इस तरह के मौसम में बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की जरूरत है।बेहतर रहेगा कि वह सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े

पहनें।इसके अलावा गुनगुने पानी से स्नान करें।ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक, बासी भोजन खाने से बचें।घर से बाहर जाते समय मास्क का प्रयोग करें और शारीरिक दूरी का पालन करें।इसके अलावा दमा के मरीज धूल, धुएं से दूर रहें।डायरिया के भी आने लगे मरीजयूं तो डायरिया अधिक गर्मी और सर्दी में फैलता है, लेकिन इन दिनों मौसम में बार-बार हो रहा बदलाव भी इसकी वजह बन गया है।बच्चों से लेकर बड़े तक डायरिया का शिकार हो रहे हैं।

जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजीशियन का कहना है कि डायरिया का कारण दूषित पानी है। इससे पेट में ऐंठन, सूजन, उल्टी जैसी समस्या होती है। डायरिया की वजह से डिहा-इड्रेशन का भी खतरा रहता है। उनकी सलाह है कि साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के साथ ही खाने-पीने की चीजों खासकर फल और सब्जी को अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करना चाहिए।

दुर्घटनाग्रस्त आर्मी जवान के लिए देवदूत बनी पौड़ी पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 3 मई , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत होने वाली किसी भी आपदा/दु-र्घटना सम्बन्धी घटना घटित होने पर तत्काल राहत एवं बचाव के कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में कोतवाली कोटद्वार पर सूचना मिली कि एक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति कोटद्वार क्षेत्र में स्थित 5 मील के पास सड़क से खाई में गिर गया है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार मय फ़ोर्स के तत्काल त्वरित कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ को मौके पर आने हेतु अवगत कराया गया। पुलिस टीम द्वारा एसडीआरएफ की सहायता से

घायल व्यक्ति को खाई से सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जिनकी स्थिति अब ठीक है। घायल व्यक्ति का नाम पताः-अमर सिंह पुत्र दलवीर सिंह, निवासी-काशीरामपुर तल्ला कोटद्वार, जो आर्मी में है तथा वर्तमान में मेरठ में तैनात है।

टीचर लाल और बच्चे नीले-काले पेन का क्यों करते है इस्तेमाल ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , क्या आपके दिमाग में ये सवाल कभी आया की लाल पेन और नीले पेन का क्या फर्क है ? टीचर लाल पेन और स्टूडेंट नीली पेन का ही इस्तेमाल क्यों करते हैं ? प्रिंसिपल से लेकर शिक्षकों और छात्रों समेत सभी को स्कूल के एक नियम का पालन करना होता है। उनमें से एक रूल है पेन का इस्तेमाल। जहां टीचर लाल स्याही वाले पेन का इस्तेमाल करते हैं, वहीं छात्र सिर्फ नीले और काले पेन का ही इस्तेमाल करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि यह अंतर क्यों है और यह कैसे चलन में आया?वैसे तो इन सवालों का कोई निश्चित उत्तर नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, छात्र सफेद कागज पर लिखते समय नीले या काले पेन का उपयोग करते हैं। यह एक कंट्रास्ट बनाता है जो बच्चे और टीचर को शब्दो के बीच आसानी से अंतर को बताता है। हल्की स्याही का उपयोग करने से इसे पढ़ने में और मुश्किल होगी।अंतर पता करने में आसानी जहां तक टीचरों की बात है बच्चों की गलतियां सुधारने के लिए, अगर टीचर भी नीले या काले रंग के पेन का इस्तेमाल करते है तो उनके बीच ये साफ़ करना की किस की कौन से राइटिंग है ये पकड़ना मुश्किल हो जाएगा। हो सकता है कि अगर सभी स्याही या काला ही हो तो अंतर पता नहीं चलने के कारण कोई गलती भी हो सकती है।

यही कारण है कि शिक्षक नीले या काले रंग के बजाय लाल पेन का उपयोग करते हैं, एक रंग जो हल्का होता है फिर भी एक ही कागज पर आसानी से पहचाना जा सकता है। लेकिन लाल और कोई अन्य रंग क्यों नहीं?बाजार में और भी पेन बाजार में आमतौर पर उपलब्ध पेन काले, नीले, लाल, हरे, गुलाबी, बैंगनी या भूरे रंग के होते हैं। नीले और काले रंग के विपरीत बैंगनी और भूरे रंग बहुत गहरे हैं। दूसरी ओर गुलाबी रंग कुछ ज्यादा ही हल्का है। जब लाल और हरे रंग के बीच चयन करने की बात आती है। हमारी आंखें इसे हरे रंग से पहले समझती हैं और इसलिए, शिक्षकों और परीक्षकों के लिए छात्रों को चिह्नित करने और उनके होमवर्क की जांच करने के लिए लाल स्याही वाले को ही सबसे अच्छा माना जाता है।

हल्के में न लें, जानलेवा भी हो सकता है मलेरिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 3 मई : मलेरिया एक ऐसी बीमारी है जो मच्छरों के कारण मनुष्यों में फैलती है. वैसे तो मलेरिया के मामले दुनियाभर में पाए जाते हैं, लेकिन विशेष रूप से ये सहारा अफ्रीका और एशिया के ज्यादातर देशों में पाया जाता है. भारत में तो पूरे साल ही मलेरिया का खतरा बना रहता है. मच्छरों के कारण होने वाली ये एक ऐसी बीमारी है जिसका समय रहते सही उपचार नहीं किया गया, तो ये जानलेवा भी हो सकती है. डब्ल्यूएचओ (WHO) के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2021 में दुनिया भर में मलेरिया के अनुमानित 247 मिलियन मामले थे, वहीं मलेरिया से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 619 000 थी.इस बीमारी की गंभीरता को समझाने और इसके बारे में जागरूक करने के लिए हर साल विश्व मलेरिया (World Malaria Day) दिवस मनाया जाता है. हर साल इसकी एक अलग थीम निर्धारित की जाती है. साल 2023 की थीम है- 'Ready To Combat Malaria' यानी मलेरिया से लड़ने के लिए तैयार. आज आपको बताते हैं इस बीमारी के लक्षण और बचाव के बारे में.

ये हैं हल्के और गंभीर मलेरिया के लक्षणड-ब्ल्यूएचओ के मुताबिक मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के 10-15 दिनों के भीतर दिखने शुरू हो जाते हैं. कुछ लोगों में लक्षण हल्के हो सकते हैं, खासकर उन लोगों में उन्हें पहले मलेरिया का संक्रमण हो चुका है. इसके शुरुआती लक्षण कंपकंपी वाली ठंड लगना, तेज बुखार और सिरदर्द को माना जाता है. इसके अलावा शरीर में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी होना, पसीना आना आदि भी हो सकते हैं. क्या है बचाव का तरीकामच्छरदानी लगाकर सोएं और ध्यान रखें कि आसपास सफाई हो.घर के अंदर मच्छर मारनेवाली दवा छिड़कें और मॉस्कीटो रिपेलेंट मशीनों का इस्तेमाल करें.

घर के दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगाकर रखें.कमरे में एसी और पंखों का इस्तेमाल करें, ताकि मच्छर एक जगह पर न बैठें.पूरी बाजू के कपड़े पहनें, ताकि आपके शरीर के अंग ज्यादा खुले न रहें. उन जगहों पर जाने से बचें जहां झाड़ियां हो या जहां पानी इकट्ठा हो क्योंकि वहां मच्छर पनपने का खतरा ज्यादा होता है.

जीएसटी का रिकॉर्ड कलेक्शन देखकर गदगद सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन अप्रैल में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया. यह किसी एक महीने में जुटाया गया सबसे अधिक जीएसटी राजस्व है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन को 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी खबर' करार दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी खबर. टैक्स की कम दर के बावजूद टैक्स कलेक्शन बढ़ना जीएसटी की सफलता को बताता है. यह बताता है कि जीएसटी ने एकीकरण और अनुपालन को किस तरह बढ़ाया है.'

पिछले साल अप्रैल का रिकॉर्ड टूटा

बता दें कि जुलाई, 2017 में जीएसटी सिस्टम लागू होने के बाद से सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन का पिछला रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपये था जो पिछले साल अप्रैल में बना था. वित्त मंत्रालय ने अप्रैल, 2023 के टैक्स कलेक्शन के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने सकल जीएसटी संग्रह 1,87,035 करोड़ रुपये रहा. इसमें केंद्रीय जीएसटी (CGST) 38,440 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (SGST) 47,412 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (IGST) 89,158 करोड़ रुपये रहा. इसमें 12,025 करोड़ रुपये (आयातित वस्तुओं पर प्राप्त 901 करोड़ रुपये समेत) का सेस भी शामिल है.'

पिछले साल के मुकाबले 22 फीसदी अधिक जीएसटी कलेक्शन

मंत्रालय ने कहा, 'एक साल पहले समान महीने की तुलना में अप्रैल, 2023 में जीएसटी कलेक्शन 12 प्रतिशत अधिक रहा है.' इस दौरान घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात समेत) से मिलने वाला कर राजस्व साल भर पहले की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है. वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी का कुल कलेक्शन 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा था, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है.

सावधान : फोन पर आवाज की नकल कर लोगों से मांगे जा रहे पैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , यदि आपके पास भी परिवार के किसी सदस्य का फोन आता है या किसी दोस्त का वॉयस मैसेज आता है तो उसपर पहली बार में ही भरोसा ना करें, नहीं तो आपको भारी नुकसान हो सकता है। ठगों ने लोगों को चूना लगाने के लिए अब नया तरीका इजाद कर लिया है। ये ठग अब सगे-संबंधियों की आवाज की नकल करके लोगों से पैसे मांग रहे हैं। भारत सरकार की ओर से स्पैम कॉल को रोकने के लिए तमाम कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सरकार को सफलता नहीं मिल रही है। टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑथरिटी ऑफ इंडिया भी इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहा है लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा।ट्राई ने स्पैम कॉल को रोकने के लिए मशीन लर्निंग और आर्टि-फिशियल इंटेलिजेंस (AI) का भी इस्तेमाल किया लेकिन वह भी फेल रहा। आश्चर्य की बात यह है कि ये स्पैम वॉयस कॉल एआई के जरिए ही किए जा रहे हैं। साइबर सिक्योरिटी एजेंसी McAfee की एक नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। McAfee ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देश के 83 फीसदी मोबाइल यह पता लगाने में असमर्थ हैं कि स्पैम कॉल मशीन द्वारा किया जा रहा है या कोई इंसान कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आवाज बदलकर भी लोगों को चूना लगाया जा रहा है। आवाज ना पहचान पाने के कारण लोगों आर्थिक नुकसान हो रहा है।

McAfee की सर्वे में शामिल हुए सात हजार से अधिक लोग

McAfee के इस सर्वे में 7,054 लोग शामिल हुए थे जिनमें से 1,010 भारत के थे। इस सर्वे में सात देश के लोगों ने हिस्सा लिया था। सर्वे में शामिल में भारतीय लोगों ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा स्पैम कॉल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले आते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मशीन के जरिए लोगों की आवाज की नकल की जा रही है और कॉल करके परिवार के लोगों और सगे संबंधियों को ठगा जा रहा है। यह एक तरह का वॉयस स्कैम है। करीब 47 फीसदी व्यस्क भारतीय इस समस्या से जूझ रहे हैं। 83 फीसदी भारतीयों ने दावा किया है फोन पर आवाज ना पहचान पाने के कारण उन्होंने 50,000 रुपये से भी अधिक पैसे गंवाए हैं।सर्वे में शामिल 69 फीसदी भारतीयों ने कहा कि AI और असली आवाज को पहचाने में उन्हें परेशानी होती है। वहीं 66 फीसदी ने कहा कि वे दोस्तों की आवाज में आए वॉयसमेल या वॉयस मैसेज का जवाब देते हैं। इनमें से अधिकतर मैसेज पैसे की जरूरत को लेकर होते हैं। पैसे मांगने के बहाने में 70 फीसदी लूट वाले होते हैं यानी जो वॉयसमेल आता है उसमें दावा किया गया होता है कि उनके साथ लूट हो गई है और पैसे की जरूरत है। 69 फीसदी मैसेज कार एक्सिडेंट वाले और 65 फीसदी फोन चोरी या पर्स गुम होने के बहाने वाले होते हैं। तो अब यदि आपके पास कोई इस तरह का कॉल आता है तो पहले उसकी जांच करिएगा और उसके बाद ही मदद के लिए आगे बढ़िएगा, नहीं तो आपको भारी नुकसान हो सकता है।

सुलह नहीं तो तुरंत तलाक संभव : सुप्रीम कोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सोमवार को अहम व्यवस्था देते हुए कहा कि यदि पति-पत्नी का रिश्ता टूट चुका हो और सुलह की गुंजाइश ही न बची हो, तो वह संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकारों का इस्तेमाल कर तलाक को मंजूरी दे सकता है। जस्टिस संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत आपसी सहमति से तलाक के लिए छह महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को समाप्त किया जा सकता है।

पीठ ने कहा, 'हमने अपने निष्कर्षों के अनुरूप, व्यवस्था दी है कि इस अदालत के लिए, किसी शादीशुदा रिश्ते में आई दरार न भर पाने के आधार पर उसे खत्म करना संभव है। यह सरकारी नीति के विशिष्ट या बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं होगा।'पीठ में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस जेके माहेश्वरी भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 29 सितंबर को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। उसने दलीलों पर सुनवाई करते हुए कहा कि सामाजिक परिवर्तनों में थोड़ा समय लगता है और कई बार कानून बनाना आसान होता है, लेकिन समाज को इसके साथ बदलाव के लिए मनाना मुश्किल होता है। पीठ इस बात पर भी विचार कर रही थी कि क्या अनुच्छेद 142 के तहत इसकी व्यापक शक्तियां ऐसे परिदृश्य में किसी भी तरह से अवरुद्ध होती हैं, जहां किसी अदालत की राय में शादीशुदा संबंध इस तरह से टूट गया है कि जुड़ने की संभावना नहीं है, लेकिन कोई एक पक्ष तलाक में अवरोध पैदा कर रहा है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या वह घरेलू हिंसा कानून, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 या भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए और अन्य प्रावधानों के तहत आपराधिक मुकदमों का भी निपटारा कर सकती है। न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि कोई भी वादकार संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर करके, न सुधर पाने वाले रिश्तों के आधार पर विवाह समाप्त करने का अनुरोध नहीं कर सकता।

जिसने मुझे लिखा है में उस माँ के बारे में क्या लिखूँ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिसने मुझे ही लिखा उसके बारे में मैं क्या लिखूँ, यही तमन्ना है मेरी उसे मैं सदा खुश रख सकू, जिसके ममता का कर्ज मै कभी न चुका सकूँ, उस माँ के बारे में अब क्या लिखूँ।खुशी में माँ, गम में मां, जिंदगी के हर पहलू में माँ, दर्द को भाप ले, आंसुओं को नाप ले, जिंदगी के हर कदम पर माँ। माँ की ममता का कोई मोल नहीं, मां के प्यार को कौन भुलाए, मां की ही लोरी हमें रातों को सुलाए। माँ से रिश्ता ऐसा बनाया जाए, जिसको निगाहों में बिठाया जाए, रहे उसका मेरा रिश्ता कुछ ऐसे कि, वो अगर उदास हो तो हमसे मुस्कुराया ना जाए।माँ ना होती तो वफ़ा कौन करेगा , ममता का हक भी कौन अदा करेगा, रब हर एक माँ को सलामत रखना, वरना हमारे लिए दुआ कौन करेगा रोटी वो आधी खाती है, मगर अपने बच्चो को पूरा खिलाती है, चाहे मेरी माँ हो या तुम्हारी, दोस्तों माँ सबकी ऐसी ही होती है। मां के बिना जिंदगी वीरान होती है, तनहा सफर में हर राह सुनसान होती है, जिंदगी में मां का होना जरूरी है, मां की दुआओं से ही हर मुश्किल आसान होती है। माँ माँ होती है। रुलाना हर किसी को आता है, हँसाना भी हर किसी को आता है, रुला कर दो मना ले वो बाप है और जो रुला के खुद भी रो पड़े वही माँ है। माँ तेरी करामात से है ज़िन्दगी मेरी, माँ तेरी खिदमत में है ये बंदगी मेरी, माँ तेरी हर दुआ में है फ़िक्र मेरी, माँ तेरे कदमो में है ये जन्नत मेरी।

भारत ने बनाई दुनिया की सबसे खूबसूरत अंगूठी 'यूटिएरिया'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , भारत की एक आभूषण कंपनी ने 50,907 हीरों के साथ एक अंगूठी में सबसे अधिक हीरे जड़ित करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब तोड़ा है। इतना ही नहीं, उन्होंने पूरी तरह से पुनः प्रयोजन वाली सामग्री का उपयोग करके टुकड़ा बनाया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने मास्टरपीस को दिखाने वाले एक वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया। उन्होंने एक ब्लॉग लिंक भी शेयर किया जो इस आभूषण के बारे में अधिक बताता है।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने पोस्ट करते हुए लिखा ₹नया रिकॉर्डः एक अंगूठी में सबसे अधिक हीरे जड़ित - 50,907 एच.के. डिजाइन और हरि कृष्णा निर्यात प्रा लिमिटेड (भारत) ने इसको बनाया है। इस शानदार टुकड़े को बनाने के लिए रीसाइक्लिंग सोने को फिर से तैयार कर हीरों को जड़े गए₹।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अनुसार, अंगूठी की कीमत $785,645 है, लगभग 6,42,23,061.19 रुपये। इस रिंग को पूरा करने में करीब नौ महीने का समय लगा। अंगूठी का डिज़ाइन एक सूरजमुखी फूल की है जिसके ऊपर एक तितली बैठी हुई है। रिंग को यूटिएरिया नाम दिया गया है, जिसका अर्थ है प्रकृति के साथ एक हो जाना। हसु ढोलकिया, प्रबंध निदेशक, एच.के. डिजाइन, ने बताया ₹एचके ग्रुप का मानना है कि सपने 'सच नहीं होते', 'वे सच बनते हैं'। इसकी शुरुआत एक सपने से होती है। विश्वास जोड़ें, और यह एक विश्वास बन जाता है। कला का एक दुर्लभ वस्तु बनाना हमारा सपना था जो अपने आप में एक वर्ग में हो, जो मुझे विश्वास है कि हमने इस अंगूठी को बनाकर हासिल किया है।

ये है इंसान की ज़िंदगी की सबसे बुरी 20 आदतें - तुरंत सुधार ज़रूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 मई , हम सभी में कई तरह की बुरी आदतें होती हैं, जैसे- देर रात भूख लगने पर पिज़्ज़ा या कपकेक खाना, छह घंटे से कम सोना, नाश्ता न करना आदि। ये आदतें आपकी सेहत को सिर्फ अभी ही नुकसान नहीं पहुंचा रही हैं, बल्कि इनसे आने वाले वक्त में भी आपको काफी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। ऐसी कई आदतें हैं जिनके बारे में हम जानते हैं कि वो हमारे लिए बुरी हैं, जबकि कई आदतें ऐसी भी हैं जिन्हें हम बुरा नहीं समझते, लेकिन वो हमारे शरीर के लिए बुरी हैं। तो आज हम आपके लिए लाए हैं ऐसी ही कुछ आदतों की एक लिस्ट, जो आपकी सेहत के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं हैं। इन्हें फॉलो करना आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए, तभी आपकी ज़िंदगी ज्यादा पॉज़िटिव हेल्दी और खुशहाल बन पाएगी।

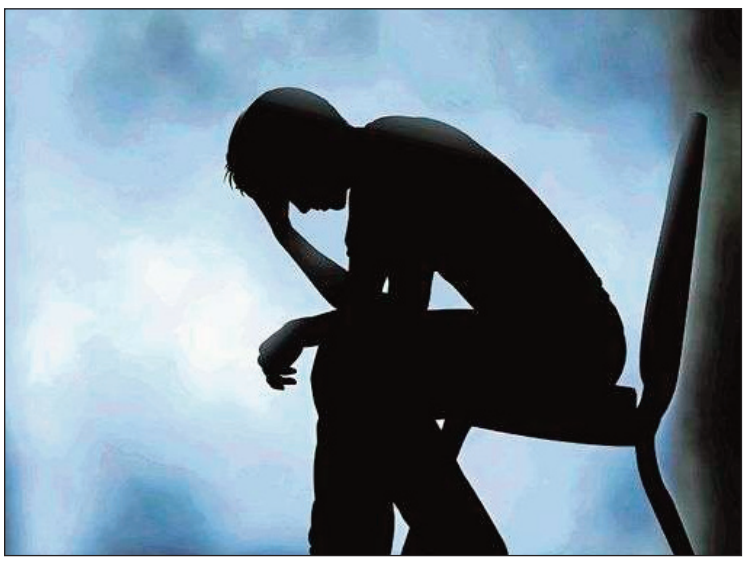

7-8 घंटे की नींद न लेना (Not Getting 7-8 Hours Of Sleep)निगेटिव होना (Being Pessimistic)मल्टी-टास्किंग (Multitasking)लगातार शराब पीना (Consuming Alcohol On Regular Basis)कई घंटों तक ईयरफोन लगाए रहना (Wearing Earphones For Long Hours)टीवी के सामने घंटों बिताना (Being a Couch Potato)हील्स पहनना (Wearing Heels)घंटों तक अपनी डेस्क पर बैठे रहना (Sitting At Your Desk For Hours On End)मेकअप हटाए बिना सोना (Sleeping Without Removing Makeup)भूख न होने पर भी खाना (Eating Even When Not Hungry)स्मोकिंग (Smoking)बहुत ज्यादा झूठ बोलना (Lying A Lot)हर दिन दवा खाना (Popping Medicines Every Day)नाश्ता न करना (Skipping breakfast)अक्सर जंक फूड खाना (Eating Junk Too Often)नाखून चबाना (Biting your nails)खुद पर सख्ती बरतना (Being Too Hard on Yourself)जल्दी-जल्दी खाना (Eating at a fast pace)खराब रिश्ते में रहना (Staying In An Unhealthy Relationship)बाहर वक्त न बिताना (Not Spending Time Outdoors)

अल्मोड़ा : पसंद नहीं आया दामाद, पिता ने शादी के बीच छोड़ दिया घर-परिवार ?

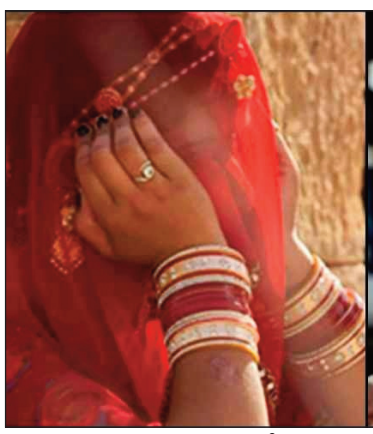

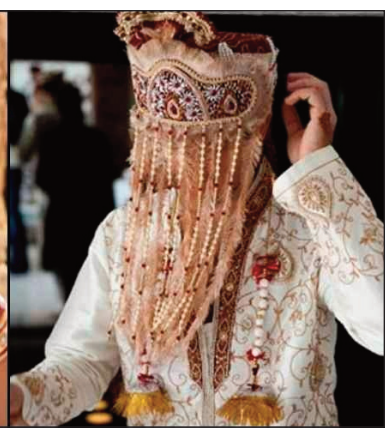

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 3 मई : आपने शादियों को लेकर अलग अलग कानमे सुने होंगे लेकिन इसी बिच उत्तराखंड के अल्मोड़ा से हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक घर में शादी की तैयारी चल रही थी कि तभी पता लगा दुल्हन के पिता के घर से भाग गए हैं और कारण जानकर सभी लोगों के होश उड़ गए। अल्मोड़ा के दन्यां क्षेत्र में होने वाले दामाद पसंद नहीं आने पर नाराज दुल्हन के पिता शादी की तैयारी के दौरान घर छोड़ दिया।

स्वजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है। अगले ही दिन पुलिस लापता को हल्द्वानी से बरामद कर वापस गांव ले आई। यहां उसे स्वजनों के सुपुर्द कर दिया। दरअसल अल्मोड़ा के दन्यां क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाने पहुंचकर अपने भाई की गुमशुदगी की सूचना दी। शिकायतकर्ता का कहना था कि उसकी भतीजी की शादी तय हो गई है। जल्द विवाह समारोह होना है।

सभी तैयारियां भी चल रहीं हैं। उनके भाई यानी दुल्हन का पिता बीते दिन परिवार के अन्य लोगों के साथ अपनी पुत्री की शादी के लिए खरीदारी करने दन्यां बाजार आए थे और खरीदारी के दौरान वह अचानक बिना बताए कहीं चले गए।

शिकायत के आधार पर थानाध्यक्ष ने गुमशुदगी दर्ज कर उनकी खोजबीन शुरू की और अगले दिन पुलिस ने उनको हल्द्वानी से बरामद किया। व्यक्ति ने बताया की जिस लड़के से उनकी बेटी का विवाह होने जा रहा है वह लड़का और उसका परिवार उनको पसंद नहीं है। व्यक्ति अपनी पुत्री के विवाह को लेकर परिवार के अन्य लोगों से नाराज चल रहा था। उसे अपना होने वाला दामाद पसंद नहीं था। इसको लेकर वह नाराज होकर चला गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि व्यक्ति को बरामद कर स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जौलीग्रांट से शुरू हुई केदारनाथ के लिए हेली सेवा, 11 यात्रियों को लेकर भरी पहेली उड़ान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 मई : जौलीग्रांट हेलीपैड से पहली बार दो धामों के लिए किसी कंपनी की हेली सेवा शुरू हुई है। सुबह 7:40 बजे रुद्राक्ष कंपनी के हेलीकॉप्टर ने 11 यात्रियों को लेकर केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरी। यात्री सुबह छह बजे ही हेलीपैड पहुंच गए थे लेकिन, खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया था। मौसम साफ होने पर हेलीकॉप्टर केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। जौलीग्रांट में युकाडा के हेलीपैड से पहली बार रुद्राक्ष एविएशन के 18 सीटर एमआई डबल इंजन हेलीकॉप्टर की दो धामों के लिए सेवा शुरू हुई है। पिछले साल कंपनी के हेलीकॉप्टर ने हरिद्वार प्राइवेट हेलीपैड से उड़ान भरी थी।

डीएम सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में हुई जिला बाल कल्याण समिति की त्रैमासिक बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई टिहरी। जिला बाल कल्याण समिति की त्रैमासिक बैठक डीएम डा सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने वात्सल्य योजना के तहत लाभान्वित को अटल् आयुष्मान योजना कार्ड व अन्त्योदय राशन कार्ड से जोडने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पंजीकृत बच्चों की देखभाल में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने को कहा। बैठक में डीएम ने सीएमओ व डीएसओ को वात्सल्य योजना से जुड़े बच्चों को विभागीय योजनाओं को जल्द से जल्दी जोडने को कहा। बाल विकास अधिकारी को चाइल्ड लाइन 1098 में फोन कॉल रिकॉर्डर लगाने की कार्यवाही करते हुए 15 दिन के भीतर कॉल रिकॉर्डर लगाने के निर्देश दिये। साथ ही समस्त विभागों से एक सप्ताह के अन्तगत महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन आन्तरिक शिकायत समिति गठन संबंधी रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने अवगत कराया कि एक बच्चा रोशनाबाद में है, जिसके पिता नहीं है, माता दो बच्चों सहित मायके रहती है। इस बच्चे को लेने से इंकार कर रही है। मामले में डीएम ने विधिक राय लेकर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला बाल विकास अधिकारी शौहेब हुसैन ने गत बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में की गई कार्यवाही आख्या से अवगत कराते हुए कहा कि चाइल्ड लाइन 1098 का एकाउंट खोल दिया गया है। फेसबुक पर भी अपलोड की कार्यवाही निरन्तर जारी है। जनपद में वात्सल्य योजना के अन्तर्गत 874 बच्चे पंजीकृत हैं। जिन्हें अटल आयुष्मान एवं अन्त्योदय राशन से जोडने की कार्यवाही की जा रही है। कार्यालय वाहन, विवेकाधीन कोष से लाभान्वित बच्चों एवं समस्त विभागों में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन आन्तरिक शिकायत समिति गठन के संबंध में अवगत कराया गया। बैठक में सीएमओ डा मनु जैन, डीएसओ अरूण वर्मा, जिला सेवायोजन अधिकारी विनायक श्रीवास्तव, अध्यक्ष जिला बाल कल्याण समिति रमेश चन्द्र रतूड़ी, सदस्य बाल कल्याण समिति लक्ष्मी प्रसाद उनियाल, रागिनी भट्ट, अमिता रावत, महिपाल सिंह नेगी, बाल संरक्षण इकाई अधिकारी विनीता उनियाल, विधि सह पर्यवेक्षक अधिकारी सुखदेव बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

एनआईटी में नए सिरे से होगी 33 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान(एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर में करीब 32 पदों पर अभी डेढ़ माह पूर्व हुई भर्ती परीक्षा व इंटरव्यू निरस्त कर दिए गए हैं। जबकि कुलसचिव पद पर चयनित हुए अभ्यर्थी के द्वारा ज्वाइन नहीं किया गया है। जिसके कारण अब एनआईटी प्रशासन कुलसचिव सहित निरस्त की गई भर्ती प्रकिया पर नए सिरे से विज्ञप्ति जारी करेगा। एनआईटी प्रशासन का कहना है कि जून माह तक सभी पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न करा दी जाएगी। एनआईटी में उप कुलसचिव सहित सुपरीटेंडेंट, असिस्टेंट, टेक्निकल असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर आदि पदों के लिए डेढ़ माह पूर्व भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई थी। लेकिन डिप्टी रजिस्ट्रार पद पर नियुक्ति प्रक्रिया का मामला हाईकोर्ट में चला गया। जिस पर हाईकोर्ट की ओर से डिप्टी रजिस्ट्रार पद पर भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई। जिस पर एनआईटी प्रशासन हरकत में आया है। डिप्टी रजिस्ट्रार पद पर नियुक्ति प्रक्रिया में हाईकोर्ट की रोक व पूरी भर्ती मामले को एनआईटी प्रशासन की ओर से बोर्ड ऑफ गवर्नेंस(बीओजी) की बैठक में रखा गया। जिस पर बीओजी ने पूरी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर नए सिरे से नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। दूसरी ओर दिसंबर 2022 में कुलसचिव पद के लिए जारी विज्ञप्ति के आधार पर कुलसचिव पद के लिए इंटरव्यू आयोजित कर चयन प्रक्रिया संपन्न की गई थी। कुलसचिव पद पर अंतिम चयन होने के बाद चयनित अभ्यर्थी द्वारा निर्धारित समय पर ज्वाइनिंग नहीं दी गई। जिससे फिर से कुलसचिव पद के लिए भी नई विज्ञप्ति जारी की जाएगी। एनआईटी में हाल ही में 32 पदों के लिए हुई नियुक्ति चयन प्रक्रिया को बीओजी के निर्णय के बाद निरस्त कर दिया गया है। अब इन पदों पर नए सिरे से नियुक्तियां की जाएंगी। जिसके लिए जल्द विज्ञप्ति जारी की जाएगी। जून माह तक नियुक्ति प्रक्रिया संपन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। कुलसचिव पद के लिए चयनित अभ्यर्थी द्वारा ज्वाइनिंग न लिए जाने के कारण इस पद के लिए भी दुबारा विज्ञप्ति जारी होगी। -प्रो. एलके अवस्थी, निदेशक, एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल।

संपादकीय

मौसम की खुराफात

चर्चा का विषय यह है कि मौसम ने अपनी रुह से खुराफात शुरू कर दी। सरक रहे मिजाज ने अप्रैल के तेवर धो डाले और अब मई महीने के अगले कुछ दिन भी विराम नहीं। जलवायु परिवर्तन के विरोधी तेवर आसमान से जमीन और प्रकृति से मनुष्य तक सताने लगे हैं। पिछले महीने 63 फीसदी बारिश अगर ज्यादा बरस गई, तो इस उन्माद की बेवफाई से किसान का खेत और बागबान की उम्मीद पर कहर सा बरपा है। समय-समय पर ओलावृष्टि ने फलों की पैदावार को तहस-नहस ही नहीं किया, बल्कि सारी लागत को जख्म दिए हैं। ऋतु चक्र में आ रहे बदलाव को लेकर सारी चिंताएं बागबान-किसान तक सिमट रही हैं। यह वर्ग मौसम का चेहरा पढऩे की जितनी कोशिश कर रहा है, उससे कहीं विपरीत संबंधित विभाग व विश्वविद्यालय अपने पुराने ढर्रे और रूटीन वर्क से आगे ऐसी चुनौतियों का समाधान नहीं खोज रहे। खास तौर पर कृषि क्षेत्र में हिमाचल के हस्तक्षेप इतने पारंगत नहीं कि खेत में पकी फसल को ऐसी आपदाओं से बचा सके। किसान कभी रूठे आसमान से चंद बूंदों की अरदास करता है तो कभी भारी बरसात में खेत में बहती मेहनत को रोकने का प्रयास करता है। आश्चर्य यह कि मौसम के बिगड़े हालात के बावजूद राज्य की नीतियों में किसी रणनीतिक बदलाव की तड़प नहीं दिखाई देती, नतीजतन हर साल उभरते जख्मों के जखीरे पर कृषि उत्पादों की मायूसी बरकरार होने लगी है। हिमाचल में इस समय निचले क्षेत्रों में तबाही का आलम किसान के खेत से घर तक इसलिए भी है क्योंकि गेहूं का पूरा थ्रैशिंग सीजन मौसम की ऊहापोह में गुजर गया। ऐसे में वैज्ञानिक दृष्टि से समुचित हल की दिशा में प्रदेश के कृषि व बागबानी विश्वविद्यालयों को आगे बढऩा होगा। क्रॉप पैटर्न बदलने का दबाव एक सीमा तक किसान को समझ आता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि को प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाने की जिम्मेदारी में विभागीय प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। मौसम की चुनौतियों के बीच मसला केवल खेती-बागबानी का नहीं, बल्कि जीवन शैली के उतार-चढ़ाव का भी है। शिक्षा क्षेत्र में स्कूली पढ़ाई के साथ नत्थी उस कैलेंडर का भी है, जिसके तहत वार्षिक अवकाश के तर्क अमूमन छात्रों के लिए प्रतिकूलता पैदा कर रहे हैं। जिस तरह सर्द ऋतु का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए जीवन शैली में भी परिवर्तन लाने की चुनौती है। मौसम ने बाजार और व्यापार का आधार बदला है, तो उपभोक्ता मांग में बढ़ती कीमतों की फांस भी लगा दी है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर फूँका, 23 घंटे तक बिजली आपूर्ति रही ठप

विकासनगर। बीती सोमवार देर शाम को नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड आठ व नौ में लगे ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर फुंक गया, जिससे दोनों वार्डों में बिजली आपूर्ति ठप रही। मंगलवार को भी दिनभर बिजली की आपूर्ति ठप रही। देर शाम करीब पांच बजे तक नया ट्रांसफार्मर लगाने के बाद बिजली आपूर्ति सुचारु हो पायी। इस दौरान करीब 23 घंटे तक दोनों वार्डों की करीब दो हजार की आबादी बिजली व पानी के लिए तरसती रही। सोमवार को हुई लगातार बारिश के बाद देर शाम करीब छह बजे हरबर्टपुर में वार्ड संख्या आठ व नौ के ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर फुंक गया, जिससे दोनों वार्डों में सांय छह बजे से बिजली गुल रही।

बिजली गुल रहने के साथ ही पानी की आपूर्ति भी पूरी तरह से ठप रही। सोमवार शाम करीब छह बजे से लेकर मंगलवार दिनभर हरबर्टपुर में वार्ड नंबर आठ व नौ में रहने वाली करीब दो हजार से अधिक की आबादी वाले क्षेत्र में लोग बिजली-पानी के लिए तरसते रहे। स्थानीय निवासी राम किशन कश्यप ने बताया कि बिजली पानी न होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों को घरों से दूर जाकर हैंडपंप अथवा नहर गूलों के पानी से जलापूर्ति करनी पड़ी। मंगलवार करीब तीन बजे ऊर्जा निगम का नयां ट्रांसफार्मर पहुंचा, जिसको लाइन से जोडने के बाद शाम पांच बजे तक यानी 23 घंटे बाद बिजली की आपूर्ति सुचारु हुई। जबकि पानी की आपूर्ति देर शाम को शुरू हो पायी।

एसडीओ ऊर्जा निगम अश्वनी कुमार का कहना है कि आकाशीय बिजली गिरने ट्रांसफार्मर पूरी तरह से जल गया, जिसकी मरम्मत संभव नहीं थी। दूसरा ट्रांसफार्मर मिलने के बाद लाइन से जोडक़र आपूर्ति सुचारु कर दी गयी है।

संक्षिप्त खबरें

परिवार व्यवस्था राष्ट्र की मजबूत इकाई

रुडक़ी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रुडक़ी की श्रीकृष्ण शाखा का वार्षिकोत्सव मनाया गया। नंद विहार में मुख्य अतिथि केपी सिंह और सीपी सिंह की अध्यक्षता में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम हुआ। मुख्य वक्ता सह जिला बौद्धिक प्रमुख राजपाल ने कहा कि परिवार व्यवस्था राष्ट्र की मजबूत इकाई है। पाश्चात्य विचारधारा से प्रभावित होकर इसे कमजोर किया जा रहा है। कहा कि भारतीय विचारधारा के कारण भारत विश्व गुरु रहा है। नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली एवं वैभवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने कहा संघ की शाखा व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला तथा समाज परिवर्तन का आधार है। गणवेश धारी स्वयंसेवकों ने किसलिए क्रांतिकारी के मार्गदर्शन में योग आसन, खेल, दंड आदि का प्रदर्शन किया।

कामगारों को मशीनरी और टूलकिट का वितरण किया

रुडक़ी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के अध्यक्ष मनोज कुमार ने लिब्बरहेडी में परंपरागत उद्योगों के कामगारों को मशीनरी और टूलकिट का वितरण किया। मौनपालन उद्योग, कुम्हारों को विद्युत चलित चाक, चर्मशिल्पियों को फुटवेयर रिपेयरिंग टूलकिट दिए गए। अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि उनके विभाग की ओर से ग्रामोद्योग विकास योजना के अन्तर्गत भारतीय परम्परागत उद्योगों के कामगारों को टूल एवं मशीनरी का वितरण किया जा रहा है। ताकि परम्परागत उद्योगों के कामगारों की आय बढ़ सके। किसानों को अपनी आय में वृद्धि करने का अवसर मिल रहा है। वन क्षेत्र से लगे गांवों में मधुमक्खियों के बॉक्सों के जरिये हाथियों को मानव बस्तियों एवं किसानों के खेतों में आने से रोका जा सकता है। मधुमक्खी पालन स्वरोजगार का अच्छा अवसर है, जिसका लाभ हर वर्ग को दिया जा रहा है।

जालसाजी से बैनामा कराने का आरोप

रुडक़ी। युवक का कहना है कि उसके पिता की मानसिक हालत सही नहीं है। आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने जालसाजी कर उसके पिता से भूमि का बैनामा अपने नाम करा लिया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव खटका निवासी एक युवक ने सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि काफी समय से उसके पिता की मानसिक हालत सही नहीं है। इसके लिए काफी समय से पिता का इलाज भी चल रहा है। आरोप है कि टोड़ा कल्याणपुर निवासी एक व्यक्ति ने इसी का फायदा उठाते हुए उसके पिता के नाम की भूमि का बैनामा अपने नाम करा लिया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसएसआई नरेश गंगवार का कहना है कि मामले की जांच के बाद सही स्थिति का पता चल पाएगा।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजे पोस्टकार्ड

कोटद्वार। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश व प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को तहसीलदार मनजीत सिंह के माध्यम से पोस्टकार्ड के साथ ज्ञापन भी प्रेषित किया। कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल के नेतृत्व में प्रेषित पोस्टकार्ड में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआइ से जांच कराने, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर नियुक्तियां करने, जंगली जानवरों के आतंक से पर्वतीय अंचल के लोगों को निजात दिलाने, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों की पेंशन, कुटुंब पेंशन व भत्तों में बढ़ोत्तरी करने व सरकार के निकटस्थ उद्योगपति गौतम अडाणी की आय की बढोत्तरी पर स्प्ष्टीकरण देने सहित कई अन्य मुद्दों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। पोस्टकार्ड प्रेषित करने वालों में बलबीर सिंह रावत, नीलम रावत, अमित राज सिंह, राजा आर्य, शकुंतला चौहान, उदय नेगी और विपिन डोबरियाल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

पेपर लीक के आरोपियों को मेरिट लिस्ट में शामिल करने के आदेश पर रोक

नैनीताल। फॉरेस्ट गार्ड भर्ती पेपर लीक के आरोपियों को मेरिट लिस्ट में शामिल करने के एकलपीठ के आदेश पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी है। साथ ही विपक्षी प्रीति समेत तीन अन्य को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने यह रोक फॉरेस्ट गार्ड भर्ती पेपर लीक करने के मामले में यूकेएसएसएससी द्वारा एकलपीठ के आदेश को चुनौती देने वाली दायर विशेष अपील के बाद लगाई है। पूर्व में कोर्ट की एकलपीठ ने इस पेपर लीक के आरोपियों को मेरिट लिस्ट में शामिल करने के आदेश दिए थे। एकलपीठ में इन आरोपियों ने कहा था उनके खिलाफ चार्जशीट निरस्त कर दी गई है। लिहाजा उनको नौकरी दी जाए और मेरिट लिस्ट में शामिल किया जाए। 2 मार्च 2022 को एकलपीठ ने इन आरोपियों के पक्ष में फैसला दिया था। जिसको यूकेएसएसएससी ने उच्च न्यायलय की खंडपीठ में चुनौती दी है। मामले के अनुसार 2018 में फॉरेस्ट गार्ड भर्ती पेपर लीक मामले में 100 से ज्यादा आरोपी बनाए गए थे। जिन पर पेपर लीक वाट्सएप और ब्लूटूथ से करने का आरोप था, लेकिन बाद में आरोपियों ने हाईकोर्ट में कहा कि उनके खिलाफ चार्जशीट निरस्त हो गई है। लिहाजा उनको नौकरी दी जाए। एकलपीठ ने उनके हक में फैसला दिया। उस आदेश को यूकेएसएसएससी ने खंडपीठ में चुनौती दी। यूकेएसएसएससी ने अपनी विशेष अपील में कहा है कि इन्हें न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी। इन्होंने शिकायतकर्ता के साथ न्यायालय में आपसी समझौता कर लिया था। इसलिए इन्हें इसका लाभ नहीं दिया जा सकता।

तीन होम स्टे और एक रिजॉर्ट का संचालन बंद कराया

हल्द्वानी। भीमताल पुलिस ने मंगलवार को नौकुचियाताल में बिना पंजीकरण और सत्यापन कराए होम स्टे और रिजॉर्ट संचालन पर छह संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। तीन होम स्टे और रिजॉर्ट का पंजीकरण नहीं होने पर संचालन बंद करा दिया है। वहीं एक होम स्टे पर पांच हजार का जुर्माना तो दूसरे का 10 हजार रुपये का चालान काटा है। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को चेकिंग अभियान के दौरान पाया गया कि दो होम स्टे संचालकों की ओर से कर्मचारियों का सत्यापन नहीं कराया गया था। इस पर एक होम स्टे संचालक पर पांच हजार का जुर्माना लगाया गया। वहीं दूसरे होम स्टे संचालक के मौजूद नहीं होने पर उसका कोर्ट का 10 हजार का चालान काटा गया है। साथ ही तीन होम स्टे और रिजॉर्ट संचालक की ओर से पर्यटन विभाग में पंजीकरण नहीं कराया गया था। इसके चलते होम स्टे और रिजॉर्ट की रिपोर्ट पर्यटन विभाग को भेजी जाएगी। चारों को पंजीकरण नहीं होने तक संचालन पूर्ण रूप से बंद कराने के निर्देश दिए हैं। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा।

लोहाघाट क्षेत्र में पशुओं में तेजी से फैल रहा लंपी वायरस

चम्पावत। पालतू पशुओं में लंपी वायरस तेजी से फैल रहा है। इस वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में पशु लगातार बीमार पड़ रहे हैं। पशुपालन विभाग की टीम कैंप लगाकर पशुओं का उपचार करने में जुटी हुई है। नेपाल सीमा से लगे कायल, मटियानी, लोजनी, सिरोड़ी, दसलेख के अलावा लोहाघाट नगर के आसपास के गांवों में भी लंपी वायरस दस्तक दे चुका हैं। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष मदन पुजारी का कहना है कि पशुओं में बीमारी के बाद शरीर में दाने हो रहे हैं।

राज्य सरकार मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल तो तुरंत बर्खास्त करें : रविंद्र सिंह आनंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 मई , आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनन्द ने सुबे के वित्त ,शहरी विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री एवं ऋषिकेश से विधायक प्रेमचंद्र अग्रवाल द्वारा ऋषिकेश में सड़क पर मारपीट करने का वीडियो वायरल होने पर सरकार पर तीखा हमला बोला ।उन्होंने कहा जिस सरकार के मंत्री जनता को कुछ ना समझते हो और सड़क पर सीधे मारधाड़ पर उतारू हो जाए उस प्रदेश का विकास भला कैसे हो सकता है उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कैबिनेट मंत्री सड़क पर मारधाड़ करते दिख रहे हैं उससे तो बीजेपी की गुंडागर्दी का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है कि वो एक आम व्यक्ति को कुछ समझते नहीं है । उन्होंने कहा इससे ना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र ,चेहरा सामने आता है बल्कि जनता द्वारा चुने हुए विधायक ,मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का इस प्रकार मारधाड़ करना गुंडागर्दी की सारी हदें पार करने जैसा है । उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर तुरंत कार्रवाई करने की मांग की और कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के कैबिनेट से

बर्खास्त किए जाने साथ ही विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी से उनकी विधायकी रद्द करने की मांग की है । उन्होंने कहा इस प्रकार का आचरण राजनीति में कतई बर्दाश्त नहीं होगा यदि जल्द ही मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी उग्र आंदोलन करेगी एवं सड़कों पर उतरेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी ।

मंत्री वायरल वीडियो : मुख्यमंत्री धामी करे तत्काल सख्त कार्यवाही : धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 मई , उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य के वरिष्ठ मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल के द्वारा एक आम नागरिक को लात घूसों से मारने के वाइरल हो रहे वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से तत्काल कार्यवाही की मांग करते हुए दोषी मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि जिन के कंधों पर राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है जब वे ही आम जनता के साथ मारपीट कर कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं तो प्रदेश में कैसे कानून का राज रहेगा। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं बल्कि तीसरी बार की घटना है जब मंत्री अग्रवाल ने आम नागरिक के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया है। धस्माना ने कहा कि भाजपा के नेता पूरे देश में बेलगाम व सत्ता के नशे में चूर हो कर आम नागरिक को गाजर मूली समझ रहे हैं और यह इसलिए हो

रहा है क्योंकि शीर्ष नेतृत्व का पूरा संरक्षण उनको प्राप्त है। श्री धस्माना ने कहा कि जब देश का मान व सम्मान बढ़ाने वाली पहलवान बेटियों को देश की राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर अपने व सैकड़ों महिला पहलवानों के शारीरिक शोषण करने वाले कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बाहुबली सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ रहा है और सुप्रीम कोर्ट के एफ-आईआर दर्ज कराने के आदेशों के बावजूद अपराधी की गिरफ्तारी नहीं हो रही तो इससे सत्ताधीशों की धींगामुश्ती व मनमानी का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। श्री धस्माना ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने आरोपी मंत्री के खिलाफ कार्यवाही नहीं कि तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी।

चोरों-बदमाशों पर लगातार चल रहा है पौड़ी पुलिस का डंडा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 3 मई : पौड़ी पुलिस की तत्परता से जहरखुरानी गिरोह के 01 सदस्य को धर-दबोचा, लूटा गया ई-रिक्शा बरामद।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देशन में 24 घण्टे के अन्दर मामले का खुलासा, लूटा गया ई- रिक्शा भी बरामद।दिनांक 01.05.2023 को वादी मनोज सिंह पुत्र कमल सिंह, निवासी-मीट मार्केट,कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा कोटद्वार की चौकी बाजार में अपने पिता कमल सिंह (उम्र 50 वर्ष) पुत्र कुल सिंह का ई-रिक्शा सहित गुम हो जाना तथा घर वापस न आने के सम्बन्ध में गुमशुदगी क्रमांक 20/2023 धारा गुमशुदगी दर्ज करायी गयी।

उक्त घटना की गम्भीरता को देखते हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा गुमशुदा की तत्काल बरामदगी हेतु टीम गठित हेतु आदेशित किया गया। निर्गत आदेशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल के निर्देश, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन वैभव सैनी के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार व प्रभारी सी.आई.यू के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित पुलिस टीम द्वारा पतारसी सुरागरसी की मदद से गुमशुदा *कलम सिंह पुत्र कुल सिंह को बढ़िया बिजनौर (उ0प्र0) से मय रिक्शे के बरामद किया गया। घटना में शामिल अभियुक्त नासिर पुत्र मौ0 सुक्के निवासी-फजलपुर हसीन उबडी, मवाली, थाना किरतपुर जिला बिजनौर (उ0प्र0) को गिरफ्तार किया गया। जिसका अन्य साथी उमर पुत्र इस्लाम निवासी-खानपुर कमालपुर, थाना-चाँदपुर, जिला-बिजनौर फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।जिस आधार पर थाना कोटद्वार पर गुमशुदगी क्रमांक 20/2023 धारा गुमशुदगी को मु0अ0सं0-94/2023, धारा- 34/ 328/ 394/ 411 भा.द.वि. में तरमीम किया गया।

पूछताछ का विवरण

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार शुदा अभियुक्त नासिर ने बताया कि वह कुछ दिन पूर्व सजा पूरी कर जेल से बाहर आया है। पैसों की तंगी होने के कारण उसने अपने साथी उमर पुत्र इस्लाम, निवासी-खानपुर, कमालपुर, थाना-चाँदपुर, जिला-बिजनौर (उ0प्र0) से फोन द्वारा संपर्क कर किसी विशेष घटना को करने की योजना बनाई। उसके बाद वे दिनांक 30.04.2023 को नजीबाबाद मिले और दोनों सुबह कोटद्वार आ गये। दोनों के द्वारा एक बजुर्ग ई-रिक्शा न0 UK15-ER-0441 चालक को अपने जाल में फंसाने की रणनीति बनाई। दोनों ने कोटद्वार शहर में घूमने के बहाने उपरोक्त बजुर्ग का ई-रिक्शा बुक किया तथा अपने पास रखी कोल्ड ड्रिंक जिस में नशीली दवा (ALPRAX 0.25 MG) मिलाकर लाये थे बुजुर्ग को पिलाने के बाद उससे मारपीट तथा लूटपाट करके सड़क के किनारे फेंक कर ई-रिक्शा को लेकर अपने घर चले गये।

अतिक्रमण को चिन्हित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी : सोनिका, डीएम देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 मई , जनपद में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर जिलाधिकारी सोनिका एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिला अधिकारीयों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को चिन्हित कर संबंधित को नोटिस प्रेषित करते हुए अतिक्रमण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करें।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमित प्रक्रिया के तहत संचालित की जाए तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग के साथ ही, प्रतिदिन की जाने वाली करवाई की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने समस्त शासकीय विभागों लोक निर्माण विभाग,

नगर निगम, सिंचाई , विद्युत आदि समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपनी भूमि का निरीक्षण कर लिया जाए यदि कहीं अतिक्रमण हुआ है तो अतिक्रमण चिन्हित करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई करें।बैठक में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम-जीशरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कमलेश उपाध्याय, पुलिस क्षेत्राधिकारी नीरज सेमवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।